मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 08 अगस्त 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	08-08-14	09-08-14	10-08-14	11-08-14	12-08-14
वर्षा (मि.मी.)	32	12	5	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	25	26	26	27	28
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	25	24	23	23	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	8	8	6	6	7
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	88	82	82	82	83
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	66	59	53	53	62
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	16	16	20	22	22
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

वर्षा के कारण खेत में आवश्यकता से अधिक पानी भर जाए तो खेत सें पानी की निकासी का प्रबन्ध करें।

बाजरा की फसल 3–4 सप्ताह की हो गई हो तो वर्षा के बाद 40 से 50 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से यूरिया का भुरकाव करें ।

बाजरा की फसल में कतारों में पौधों की संख्या समान रखने के लिये वर्षा के साथ ही कतारों में रिक्त स्थानों पर पौधों की रोपाई करें। अगर कतारों में पौधों की संख्या अधिक हो तो आवश्यकता से अधिक पौधों को उखाड़ दें।

मौसम के साफ होते ही किसान भाई निराई–गुड़ाई करें। इससे खरपतवार नियंत्रण के साथ साथ पौधों की जड़ों में हवा का संचार भी अच्छा रहेगा।

पपीते की पौध की रोपाई करने का उचित समय है। गड्ढे में रोपाई से पूर्व 10 कि. ग्र. सड़ी हुई गोबर की खाद डाल दें।

ब्याने वाले पशुओं को बरसात से बचाऐं व अलग बाड़े में रहने की व्यवस्था करें।

पशुओं को हरा चारा खिलाने की मात्रा कम रखें जिससे पशुओं में आफरा नहीं हो।